# हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ

हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

माया के बंधन में जकड़ा ,
कैसे भाव जगाऊं ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

मन चंचल रस विषय को धावे ,
इससे निकल न पाऊँ ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

मोरे मन मंदिर में बस जा कान्हा ,
तेरा हर पल दर्शन पाऊँ ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

ऐसी कृपा मोपे कर दो कान्हा,
भव से मैं तर जाऊँ ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

तेरा सुमिरन करते करते,
हो लीन तुम्ही में जाऊँ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ ।

# हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ ।।

भजन रचना : ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

Source: https://www.bharattemples.com/he-kanha-tose-kaise-nain-milau/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw